वाक्य -भेद

प्रश्न – रचना के आधार □र वाक्य के भेद बताइए –

- राम आया था और मोहन चला गया था। ------------------------------------ संयुक्त
- राम ने कहा कि कल छुट्टी रहेगी।-- मिश्र
- रात भर शोर होता रहा और मैं सो न सका।-------------------------------- संयुक्त
- बहुत-सा काम करना शेष है।-- सरल
- जो जागता है , वह □ाता है।-- मिश्र
- मैं चाहता हूँ कि सभी ध्यान दें।--- मिश्र
- ज्यों ही किसी ने घंटी बजाई , चोर भाग गया।-------------------------------- मिश्र
- जहाँ कभी बंजर था , वहाँअब सुन्दर उ□वन है।-------------------------------- मिश्र
- □ुलिस ने चोर को रंगे हाथों □कड़ लिया।-------------------------------------- सरल
- कल मैं लखनऊ जा रहा हूँ और वहीं से मुम्बई जाऊँगा।------------------------ संयुक्त
- खरगोश □ेड़ के नीचे सो गया क्योंकि उसे बहुत घमंड था।--------------------- मिश्र
- मैं जानता हूँ , तुम किसे चाहते हो।--- मिश्र
- जैसे-जैसे उसकी उम्र बढ़ती जा रही थी वैसे-वैसे वह □ागल होती जा रही थी।---- मिश्र
- वे रोज़ □ार्क में टहलने जाते हैं ।--- सरल
- आकाश में बादल छा गए और वर्षा होने लगी।--------------------------------- संयुक्त
- क्या वह लड़की तुम्हारी बहन है जो □ागल-सी लगती है।---------------------- मिश्र
- चोर कमरे में चोरी करता रहा और मैं सोता रहा।------------------------------ संयुक्त
- आज नकद दीजिए और कल उधार ले जाइए।---------------------------------- संयुक्त
- जैसा बोओगे , वैसा काटोगे।--- मिश्र
- वह आया था , □रंतु चला गया।-- मिश्र
- तुम्हारे कहने □र सब मान गए।-- सरल
- तुम नहीं जा सकते , तो बेटे को भेज देते।------------------------------------ मिश्र

वाक्य रचनांतरण

- अध्यापक कक्षा में आए और पढ़ाने लगे। (सरल)
- कक्षा में आते ही अध्यापक पढ़ाने लगे।
- छात्र स्कूल से घर आया। वह खेलने चला गया। (मिश्र)
- जैसे ही छात्र घर आया वैसे ही खेलने चला गया।
- कृपया सभी यहाँ आकर सुनें। (संयुक्त)
- कृपया सभी यहाँ आएँ और सुनें।
- ललित विद्वान है। ललित का सब आदर करते हैं। (सरल और मिश्र)
- विद्वान होने के कारण ललित का सभी आदर करते हैं। (सरल)
- ललित विद्वान है इसलिए सब उसका आदर करते हैं । (मिश्र)
- परिश्रमी व्यक्ति को सभी चाहते हैं। (मिश्र)
- जो व्यक्ति परिश्रम करता है , उसे सब चाहते हैं।
- पौधे लगाकर माली चला गया। (सरल और मिश्र)
- माली ने पौधे लगाए और चला गया। (सरल)
- जब माली ने पौधे लगा दिए , तब वह चला गया। (मिश्र)
- वह घर पहुँचा। माँ ने उसे बुलाया था। (मिश्र)
- वह घर पहुँचा क्योंकि माँ ने उसे बुलाया था।
- यह वही लड़की है जो घर से भाग गई थी। (सरल)
- यही लड़की घर से भाग गई थी।
- चूहे का कमाल है। चूहे ने मोटा कालीन काट डाला। (सरल और मिश्र)
- चूहे ने मोटा कालीन काटकर कमाल किया। (सरल)
- चूहे का कमाल है कि उसने मोटा कालीन काट डाला। (मिश्र)
- उसने कविता तुरंत लिखकर सुनाई। (संयुक्त)
- उसने कविता तुरंत लिखी और सुनाई।

□दबंध

प्रश्न - रेखांकित □दबंध के भेद बताइए –

- निरंतर बहता जल □वित्र होता है।-------------------------------- संज्ञा
- उत्तर से दक्षिण तक ओलावृष्टि हुई।-------------------------------- क्रिया विशेषण
- मुझे एक किलो □िसी हुई लाल मिर्च चाहिए।------------------------ विशेषण
- घर में काम करने वाला लड़का आलसी है।-------------------------- संज्ञा
- नंदिनी क्रोध से भरकर काँ□ते हुए आगे बढ़ी।---------------------- क्रिया विशेषण
- वि□त्ति के समय साथ देने वाले तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो।------------ सर्वनाम
- आकाश में उड़ते हुए बाज़ ने चिड़िया □कड़ी।------------------------ संज्ञा
- तकदीर का मारा मैं कहाँ आ □हुँचा।------------------------------ सर्वनाम
- आ□के मित्रों में से कोई समय □र नहीं □हुँचा।---------------------- सर्वनाम
- तितलियाँ फूलों □र मँडरा रही हैं।-------------------------------- क्रिया
- सामने वाले घर में एक बहुत सुंदर बच्चा है।------------------------ विशेषण
- मैं ढाई हजार साल □ुराने कुशीनगर को ढूँढ रहा हूँ।------------------ विशेषण
- माँ की गोद में मुन्ना हँसता दिखाई दे रहा था।---------------------- क्रिया
- कुछ लोग धीरे-धीरे बातें करते हुए जा रहे थे। ---------------------- क्रिया विशेषण
- स्टेशन के चारों ओर तेज रोशनी है।------------------------------- क्रिया विशेषण
- छात्रावास में रहने वालों में से कुछ हॉकी के शौकीन हैं।--------------- सर्वनाम
- लखनऊ जाने वाली गाड़ी चल दी है। ----------------------------- संज्ञा
- बहुत अधिक बोलने वाली मेरी सहेली कल चल जाएगी।--------------- विशेषण
- बच्चे गंगा नदी के किनारे □र खेल रहे हैं।-------------------------- क्रिया विशेषण
- आग और □ानी का साथ नहीं हो सकता।---------------------------- संज्ञा
- भोले बाबा रामरतन जैसा हीरा कहाँ मिलता है ?--------------------- संज्ञा
- माताजी कहाँ से दौड़ी चली आ रही हैं ?----------------------------- क्रिया

संधि – विच्छेद कीजिए -

- नरेश -------
- कपीश----
- शुभोदय---
- देहांत-------
- धर्मात्मा—
- ज्ञानेंद्रिय--
- वार्षिकोत्सव
- प्रत्येक---
- एकैक----
- यदयपि----
- सर्वोत्तम---
- गुरूपदेश---
- सदैव-----
- इत्यादि---
-
परमेश्वर—
- रत्नाकर---
- महेश-----
- चंद्रोदय---
- वधूत्सव—
- अत्यंत---
- सत्याग्रह--
- जन्मांतर--

नर + ईश
कपि + ईश
शुभ + उदय
देह + अंत
धर्म + आत्मा
ज्ञान + इंद्रिय
वार्षिक + उत्सव
प्रति + एक
एक + एक
यदि +अपि
सर्व + उत्तम
गुरू + उपदेश
सदा + एव
इति + आदि
परम + ईश्वर
रत्न + आकर
महा + ईश
चंद्र + उदय
वधू + उत्सव
अति + अंत
सत्य + आग्रह
जन्म + अंतर

सद्गति---------
- जगन्नाथ-----
- रामायण------
- संविधान------
- उच्चारण------
- जगदम्बा-----
- उल्लेख-------
- उज्ज्वल------
- उन्नति-------
- दुरुपयोग------
- नीरोग--------
- दुर्घटना-------
- आशीर्वाद-----
- मनोरंजन-----
- दुस्साहस-----
- निर्धन-------
- मनोयोग-----
- निराहार------
- निष्पक्ष-------
- तपोवन-------
- पयोद---------
- निरुत्साह-----

सत + गति
जगत +नाथ
राम + अयन
सम + विधान
उत +चारण
जगत + अम्बा
उत + लेख
उत + ज्वल
उत + नति
दुः + उपयोग
निः + रोग
दुः + घटना
आशीः + वाद
मनः + रंजन
दुः + साहस
निः + धन
मनः + योग
निः + आहार
निः + पक्ष
तपः + वन
पयः + द
निः + उत्साह

संधि कीजिए -

• सूर्य + उदय------	सूर्योदय	निः + मल---------	निर्मल
• महा + उत्सव----	महोत्सव	सरः + वर----------	सरोवर
• वृक्ष + आरो□ण—	वृक्षारो□ण	निः + आशा--------	निराशा
• □रम + अर्थ-----	□रमार्थ	हरिः + चंद्र--------	हरिश्चंद्र
• ज्ञान + इंद्र------	ज्ञानेंद्र	□रः + कार--------	□रस्कार
• गज + आनन----	गजानन	मनः + बल--------	मनोबल
• लंका + ईश-----	लंकेश	निः + अर्थक------	निरर्थक
• स्व + इच्छा-----	स्वेच्छा	□नः + जन्म------	□नर्जन्म
• सत + मार्ग-----	सन्मार्ग	दुः + कर्म---------	दुष्कर्म
• □ष□ + अंजलि---	□ष□ांजलि	सम + घर्ष--------	संघर्ष
• न्याय + आलय—	न्यायालय	सम + स्मरण-----	संस्मरण
• □र + उ□कार----	□रो□कार	गै + इका---------	गायिका
• लघु + उत्तर-----	लघूत्तर	वि + आप्त---------	व्याप्त
• सम + योग-----	संयोग	अनु + इति--------	अन्विति
• प्र + नाम-------	प्रणाम	नि + ऊन---------	न्यून
• स्व + छंद------	स्वच्छंद	नौ + इक---------	नाविक
• तत + मय------	तन्मय	सु + उक्ति---------	सूक्ति
• कृष + न-------	कृष्ण	सु + अच्छ--------	स्वच्छ
• सम + □र्ण------	स□र्ण	सत्य + अन्वेषी----	सत्यान्वेषी
• सम +मान------	सम्मान	धनुः + टंकार------	धनुष्टंकार
• नि + सेध-------	निषेध	उत + हार---------	उद्धार
• वि + सम-------	विषम	वन + औषधि------	वनौषधि

समास विग्रह तथा समास का नाम

• राजदूत-----------	राजा का दूत	(तत्पुरुष)
• गृहस्वामी---------	गृह का स्वामी	(तत्पुरुष)
• चतुर्भुज-----------	चार भुजाओं का समूह	(द्विगु)
• राजा – प्रजा-------	राजा और प्रजा	(द्वंद्व)
• धूपदीप -----------	धूप और दीप	(द्वंद्व)
• पथभ्रष्ट-----------	पथ से भ्रष्ट	(तत्पुरुष)
• राहखर्च-----------	राह के लिए खर्च	(तत्पुरुष)
• घूसखोर-----------	घूस खाने वाला	(बहुब्रीहि)
• भारतरत्न----------	भारत का रत्न	(तत्पुरुष)
• आजन्म----------	जन्म से लेकर	(अव्ययीभाव)
• पंचवटी-----------	पाँच वटों का समूह	(द्विगु)
• दशानन----------	दश हैं आनन जिसके	(बहुब्रीहि)
• दूधदही-----------	दूध और दही	(द्वंद्व)
• नीलगाय---------	नीली है जो गाय	(कर्मधारय)
• प्रतिदिन----------	हर दिन	(अव्ययीभाव)
• देशनिकाला-------	देश से निकाला	(तत्पुरुष)
• त्रिभुवन------------	तीन भुवनों का समूह	(द्विगु)
• भाई – बहन--------	भाई और बहन	(द्वंद्व)
• गगनचुम्बी---------	गगन को चूमने वाला	(बहुब्रीहि)
• दिनोंदिन----------	दिन ही दिन में	(अव्ययीभाव)
• यथाक्रम-----------	क्रम के अनुसार	(अव्ययीभाव)
• आमरण-----------	मरण तक	(अव्ययीभाव)
• प्रत्येक-------------	हर एक	(अव्ययीभाव)

• हाथोंहाथ------------	• हाथ ही हाथ में	अव्ययीभाव
• अनाथ--------------	• नाथहीन	अव्ययीभाव
• चरणकमल---------	• कमल के समान चरण	कर्मधारय
• पुरुषसिंह-----------	• सिंह के समान पुरुष	कर्मधारय
• संसारसागर---------	• सागर रूपी संसार	कर्मधारय
• त्रिफला-------------	• तीन फलों का समूह	द्विगु
• महावीर-------------	• महान जो वीर	कर्मधारय
• ऋणमुक्त------------	• ऋण से मुक्त	तत्पुरुष
• भलामानस----------	• भला है जो मानस	कर्मधारय
• पंकज--------------	• पंक से जन्मा (कमल)	बहुब्रीहि
• प्रत्यक्ष-------------	• आँखों के सामने	अव्ययीभाव
• गिरहकट-----------	• गिरह को काटने वाला	बहुब्रीहि
• यशप्राप्त------------	• यश को प्राप्त	तत्पुरुष
• सप्तर्षि--------------	• सात ऋषियों का समूह	द्विगु
• प्रसंगानुकूल---------	• प्रसंग के अनुकूल	तत्पुरुष

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

- अंग-अंग ढीला होना (बहुत थक जाना)
- दिन भर की दौड़-धू□ से मेरा अंग-अंग ढीला हो रहा है।
- अंग-अंग मुस्कराना (बहुत प्रसन्न होना)
- □रीक्षा में प्रथम आने के कारण उसका अंग-अंग मुस्करा रहा था।
- अ□ना उल्लू सीधा करना (अ□ना मतलब निकालना)
- आजकल के नेता बस अ□ना उल्लू सीधा करने में लगे रहते हैं।
- कोल्हू का बैल (दिन –रात काम में जुटे रहने वाला)
- सरस्वती देवी की बहू तो कोल्हू के बैल की तरह काम में लगी रहती है।
- खून – □सीना एक करना (कठोर □रिश्रम करना)
- किसान खून-□सीना एक करके अनाज उगाते हैं।
- चैन की बंसी बजाना (सुख से रहना)
- क□ड़े का व्या□ार अच्छा चलने के कारण मोहन चैन की बंसी बजा रहा है।
- झक मारना (बेकार में समय बर्बाद करना)
- आलसी और निकम्मे लोग घर में खाली बैठकर झक मारते हैं।
- ढाक के तीन □ात (कोई फर्क न □ड़ना)
- खेतों में खूब खाद डाला,□र फ़सल □हले जैसी हुई। वही ढाक के तीन □ात।

- दौड़-धू□ करना (कठिन □रिश्रम करना)
- नौकरी □ाने के लिए मोहन ने काफ़ी दौड़-धू□ की।
- मक्खियाँ मारना (बेकार बैठना)
- आजकल अधिकांश □ढ़े-लिखे नौजवान मक्खियाँ मार रहे हैं।
- श्रीगणेश करना (आरंभ करना)
- आज हम अ□नी नई दुकान का श्रीगनेश कर रहे हैं।
- गुदड़ी का लाल (साधारण किंतु गुणी व्यक्ति)
- अ□ने वंश में प्रेमचंद गुदड़ी के लाल थे।
- गागर में सागर भरना (थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कह देना)
- बिहारी ने अ□ने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।
- तिल का ताड़ बनाना (छोटी बात को बड़ा कर देना)
- □त्रकार लोग तिल का ताड़ बना देते हैं ।
- चुल्लू भर □ानी में डूब मरना (शर्म के मारे मर जाना)
- तुम जैसे ओछे व्यक्ति को तो चुल्लू भर □ानी में डूब मरना चाहिए।
- घोड़े बेचकर सोना (गहरी नींद में सोना)
- वह तो ऐसे सो रहा है जैसे घोड़े बेच कर सो रहा हो।
- गुड़ गोबर होना (बना बनाया काम बिगड़ जाना)
- उसके यहाँ आने से सारा गुड़ गोबर हो गया ।
- उल्टी गंगा बहाना (प्रतिकूल कार्य करना)
- बार-बार एक ही बात कहकर आ□ क्यों उल्टी गंगा बहा रहे हैं।
- बहती गंगा में हाथ धोना (अच्छा मौका देखकर फ़ायदा उठा लेना)
- वहाँ मुफ़्त में कंप्यूटर सिखाया जाता है , तुम भी बहती गंगा में हाथ धो लो।
- दूध का दूध, □ानी का □ानी (उचित न्याय करना)
- अदालत में जाने □र सब कुछ दूध का दूध , □ानी का □ानी हो जाएगा।

- अ□ने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना (अ□नी बड़ाई आ□ करना)
- अज्ञानी लोग अ□ने मुँह मियाँ मिट्ठू बनते रहते हैं।
- अक्ल □र □त्थर □ड़ना (बुद्धि खराब हो जाना)
- तुम्हारी अक्ल □र तो □त्थर □ड़ गए हैं, कोई बात तुम्हारी समझ में आती ही नहीं।
- दाल में कुछ काला होना (कुछ गड़बड़ होना)
- रोहित को आज यहाँ आना था, □र वह नहीं आया। ज़रूर दाल में कुछ काल है।
- दाँत खट्टे करना (बुरी तरह हराना)
- रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के दाँत खट्टे कर दिए।
- चिकना घड़ा (बेशर्म)
- वह चिकना घड़ा है, लाख समझाओ, मानता नहीं।
- कलई खुलना (रहस्य खुलना)
- ढोंगी साधु की हरकतों से उसकी कलई खुल गई।
- ऊँट के मुँह में जीरा (ज़्यादा खाने वाले को कम देना)
- भीम के लिए दस रोटियाँ ऊँट के मुँह में जीरा के समान है।
- अ□ने □ैरों □र खड़ा होना (स्वावलम्बी होना)
- □रीक्षा □ास करके नौकरी □ा जाओ, तो तुम अ□ने □ैरों □र खड़े हो सकते हो।
- अ□नी खिचड़ी अलग □काना (सबके साथ न चलना)
- अरे भाई ! यदि सब लोग अ□नी-अ□नी खिचड़ी अलग □काएँगे , तो देश की उन्नति कैसे होगी ?
- कान भरना (शिकायत करना)
- तुम उसके विरुद्ध मेरे कान मत भरो।
- हथेली □र सरसों जमाना (असंभव कार्य करके दिखाना)
- अगर मेहनत करो तो तुम भी अ□ने हाथों □र सरसों जमा सकते हो।
- घाट-घाट का □ानी □ीना (काफ़ी अनुभवी होना)
- तुम उसे उल्लू नहीं बना सकते, उसने घाट-घाट का □ानी □ी रखा है।

मुहावरों / लोकोक्तियों से रिक्त स्थानों की □ूर्ति

- रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के-------------।
- छक्के छुडा दिए
- बालक सिद्धार्थ बच□न से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्हें देखकर कहा जा सकता था कि----।
- होनहार बिरबान के होत चिकने □ात
- संजय ने जब से क□ड़े का व्या□ार किया है तब से उसकी-----------।
- दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति हो रही है
- कक्षा में प्रथम आने के लिए रमेश ने-------------------।
- रात-दिन एक कर दिए
- आजकल की □त्नियाँ अ□ने □ति को अ□नी-------------।
- ऊँगली □र नचाती हैं
- उसने दो-चार श्लोक क्या रट लिए, अ□ने आ□ को विद्वान समझने लगा है। इसे कहते हैं----------।
- अ□ने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना
- रोगी के मरने □र डॉक्टर □हुँचा तो क्या। अब का---------------------।
- बरसा जब खेती सुखाने
- बिहारी ने अ□ने दोहों में --------------------भर दिया है।
- गागर में सागर
- □रीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की खबर सुनकर रमेश का-----------------गया।
- चेहरा मुरझा
- बदमाश छात्र को शिक्षक ने ---------------।
- आड़े हाथों लिया

अशुद्ध वाक्यों का शोधन

अशुद्ध	शुद्ध
वह नावों □र सवार था।	वह नाव □र सवार था।
दस लड़की □ढ़ रही हैं।	दस लड़कियाँ □ढ़ रही हैं।
श्याम ने मुझे आगरा दिखाई।	श्याम ने मुझे आगरा दिखाया।
लता बड़ा मीठा गाता है।	लता बड़ा मीठा गाती है।
महादेवी वर्मा बड़ी विद्वान हैं।	महादेवी वर्मा बड़ी विदुषी हैं।
मैंने हँस □ड़ा।	मैं हँस □ड़ा।
मेरे को घर जाना है।	मुझे घर जाना है।
यमुना के अंदर □ानी भरा है।	यमुना में □ानी भरा है।
जितनी करनी वैसी भरनी।	जैसी करनी वैसी भरनी।
गुफ़ा में बड़ा अंधेरा है।	गुफ़ा में घना अंधेरा है।
भेड़ और बकरियाँ चर रही हैं।	भेड़ और बकरियाँ चर रहे हैं।
आ□ वहाँ अवश्य जाओ।	आ□ वहाँ अवश्य जाइए।
शत्रु डर कर दौड़ गया।	शत्रु डर कर भाग गया।
मैंने अ□नी कलम मेरे भाई को दे दी।	मैंने अ□नी कलम अ□ने भाई को दे दी।
चार दशरथ के □ुत्र थे।	दशरथ के चार □ुत्र थे।
मैं आगामी वर्ष दिल्ली गया था।	मैं गत वर्ष दिल्ली गया था।
बाघ एक कठोर जानवर है।	बाघ एक भयानक जानवर है।
सज्जन व्यक्ति किसी का अहित नहीं चाहते।	सज्जन किसी का अहित नहीं चाहते।
उनका बहुत भारी सम्मान हुआ।	उनका बहुत सम्मान हुआ।
वे वा□स लौट आए हैं।	वे लौट आए हैं।

• डाकू □रस□र एक-दूसरे को संदेहकी नज़र से देखते हैं।	डाकू एक-दूसरे को संदेहकी नज़र से देखते हैं।
• तमाम देश भर में बात फैल गई।	देश भर में बात फैल गई।
• मेरा नाम श्री रामदास जी है।	मेरा नाम रामदास है।
• मुझे देखते ही उसका चेहरा गिर गया।	मुझे देखते ही उसका चेहरा उतर गया।
• कृ□या आ□ ही यह समझाने का अनुग्रह करें।	आ□ ही यह समझाने का अनुग्रह करें।
• अभिनेत्री नृत्यकला का व्यायाम कर रही है।	अभिनेत्री नृत्यकला का अभ्यास कर रही है।
• उसे मृत्युदंड की सज़ा मिली है।	उसे मृत्युदंड मिला है।
• मैं साधु का दर्शन करने आया हूँ।	मैं साधु के दर्शन करने आया हूँ।
• उसने बंबई जाना है।	उसे बंबई जाना है।
• रोगी ने प्राण त्याग दिया।	रोगी ने प्राण त्याग दिए।
• वह □ागल आदमी हो गया।	वह आदमी □ागल हो गया।
• वह कहा कि मैं □त्र अवश्य लिखूँगा।	उसने कहा कि मैं □त्र अवश्य लिखूँगा।
• यह बात राम को □ूछो।	यह बात राम से □ूछो।
• रमेश को अनेकों कहानियाँ याद हैं।	रमेश को अनेक कहानियाँ याद हैं।
• मैंने यह काम नहीं करा।	मैंने यह काम नहीं किया।
• यहाँ शुद्ध गाय का दूध मिलता है।	यहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलता है।
• वह कलाकार आदमी है।	वह कलाकार है।
• मेले में बच्चा खो गई।	मेले में बच्चा खो गया।
• मुझे केवल □ाँच रु□ए मात्र चाहिए।	मुझे केवल □ाँच रु□ए चाहिए।
• हम नहीं □ढ़े हैं ये □ुस्तकें।	ये □ुस्तकें हमने नहीं □ढ़ीं।
• प्रधानाचार्य आ रहा है।	प्रधानाचार्य आ रहे हैं।

पद - परिचय

- निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त हरे शब्दों का पद-परिचय दीजिए -

- माला पत्र लिखती है।
- माला – व्यक्तिवाचक संज्ञा , स्त्रीलिंग , एकवचन , कर्ता , ‘ लिखती है ’ क्रिया का कर्ता।
- पत्र – जातिवाचक संज्ञा , पुल्लिंग , एकवचन , ‘ लिखती है ’ क्रिया का कर्म।
- लिखतीहै – सकर्मक क्रिया , कर्तृवाच्य , स्त्रीलिंग , सामान्य वर्तमान काल , अन्य पुरुष , एकवचन।
- वह किसे देखता है ?
- वह – पुरुषवाचक सर्वनाम , अन्य पुरुष , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ता कारक ।
- किसे – प्रश्नवाचक सर्वनाम , पुल्लिंग /स्त्रीलिंग , एकवचन , कर्मकारक ।
- देखता है – सकर्मक क्रिया , कर्तृवाच्य , पुल्लिंग , एकवचन , सामान्य वर्तमान काल।
- यह छात्र बहुत सुंदर है।
- यह – सार्वनामिक विशेषण , पुल्लिंग , एकवचन , छात्र विशेष्य का विशेषण।
- बहुत – परिमाणवाचक विशेषण , ‘ चतुर ’ विशेषण का प्रविशेषण।
- चतुर – गुणवाचक विशेषण , पुल्लिंग , एकवचन , ‘ लड़का ’ विशेष्य।
- मैं रोज़ सवेरे धीरे-धीरे चलता हूँ।
- मैं – पुरुषवाचक सर्वनाम , उत्तम पुरुष , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक।
- रोज़ सवेरे – कालवाचक क्रियाविशेषण , ‘ चलता हूँ ’ क्रिया की विशेषता बताता है।
- धीरे-धीरे – रीतिवाचक क्रियाविशेषण , ‘ चलता हूँ ’ क्रिया की विशेषता बताता है।
- चलता हूँ – अकर्मक क्रिया , कर्तृवाच्य , पुल्लिंग , एकवचन , सामान्य वर्तमान काल।

- रमेश वहाँ दसवीं कक्षा में बैठा है।
- वहाँ – स्थानवाचक क्रियाविशेषण , ‘ बैठा है ’ क्रिया का स्थान बताता है।
- कक्षा में – जातिवाचक संज्ञा , स्त्रीलिंग , एकवचन , अधिकरण कारक।
- बैठा है – अकर्मक क्रिया , अन्य पुरुष , पुल्लिंग , एकवचन , वर्तमानकाल ।
-
- हम बाग में गए , परंतु वहाँ कोई आम न मिला।
- परंतु – व्यधिकरण समुच्चयबोधक , दो वाक्यों को जोड़ता है।
- कोई – संख्यावाचक विशेषण , पुल्लिंग , एकवचन , ‘ आम ’ विशेष्य।
- न – रीतिवाचक क्रियाविशेषण , निषेधात्मक , ‘ मिला ’ क्रिया की विशेषता बताता है।
- मिला – सकर्मक क्रिया , पुल्लिंग , एकवचन , ‘ मिल ’ धातु , भूतकाल ।
-
- आह ! उपवन में सुंदर खिले हैं।
- आह ! – अव्यय , विस्मयादिबोधक , हर्षसूचक।
-
- भागकर जाओ और बाज़ार से कुछ तो लाओ।
- और – समच्चयबोधक अव्यय।
- तो – निपात।
- भागकर – पूर्वकालिक क्रिया , रीतिवाचक क्रियाविशेषण।
-
- एवरेस्ट संसार का सबसे ऊँचा शिखर है।
- एवरेस्ट – व्यक्तिवाचक संज्ञा , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , ‘है ’ क्रिया का कर्ता।

प्रस्तुति

फारुक एस.डी

हिंदी प्रशिक्षक

धन्यवाद !